महानगर में अवाडा ग्रुप करेगा 1200 करोड़ का निवेश

जागरण संवाददाता, गोरखपुर : अक्षय ऊर्जा के क्षेत्र में राष्ट्रीय पहचान रखने वाली अवाडा ग्रुप की कंपनी गोरखपुर में सोलर पैनल बनाने की फैक्ट्री लगाने जा रही है। इसके साथ ही कंपनी यहां इलेक्ट्रिक व्हीकल चार्जिंग स्टेशन भी स्थापित करेगी। इसके लिए अवाडा ग्रुप ने कुल 1200 करोड़ रुपये के निवेश का प्रस्ताव दिया है। ग्रुप ने फैक्ट्री स्थापित करने के लिए गीडा प्रशासन से 250 एकड़ जमीन की मांग की है। प्रस्ताव के अनुसार इस फैक्ट्री में लगभग 1500 लोगों को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार मिलेगा।

सीएम योगी की पहल के बाद गोरखपुर औद्योगिक पटल पर तेजी से चमकने लगा है। विभिन्न राज्यों की बड़ी-बड़ी कंपनियों के अलावा मल्टीनेशनल कंपनियां भी यहां निवेश कर रही हैं। कई उद्यमियों ने गीडा प्रशासन से भूमि उपलब्ध कराने की मांग की है। गीडा प्रशासन इन उद्यमियों को धुरियापार में भूमि उपलब्ध करा रही है। इनमें अडाणी समूह, श्रीसीमेंट, केयान इंडस्ट्रीज के अलावा अवाडा ग्रुप शामिल है।

अवाडा ग्रुप ने गोरखपुर में सोलर पैनल की फैक्ट्री स्थापित करने के अलावा इलेक्ट्रिक व्हीकल चार्जिंग स्टेशन के लिए प्रस्ताव दिया है और 250 एकड़ भूमि की मांग की है। गीडा प्रशासन के द्वारा इस ग्रुप को धुरियापार में भूमि उपलब्ध कराया जा रहा है।

> अवाडा ग्रुप करीब 1200 करोड़ के निवेश से सोलर पैनल फैक्ट्री स्थापित करने के अलावा इलेक्ट्रिक व्हीकल चार्जिंग स्टेशन स्थापित करने संबंधी प्रस्ताव दिया है। ग्रुप ने 250 एकड़ भूमि की मांग की है। धुरियापार में ही उन्हें भूमि उपलब्ध कराई जाएगी। अनुज मलिक, सीईओ, गीडा

करीब 1200 करोड़ की निवेश वाली इस कंपनी में प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष तौर पर करीब 1500 लोगों को रोजगार मिलेगा। अवाडा ग्रुप एक नवीकरणीय ऊर्जा कंपनी है जो भारत में सौर, पवन और हरित हाइड्रोजन प्रौद्योगिकियों संबंधी क्षेत्र में काम करती है। इस कंपनी का मुख्यालय मुंबई में है। इसका व्यवसाय सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा, पंप हाइड्रो और हरित ईंधन (हरित हाइड्रोजन, हरित अमोनिया, हरित मेथनाल और संधारणीय विमानन ईंधन) का उपयोग करके अक्षय ऊर्जा उत्पादन में है।

धुरियापार में केयान, अडाणी ग्रुप और श्री सीमेंट को आवंटित होगा भूखंडः गीडा प्रशासन के द्वारा अब कंपनियों को धुरियापार में भूमि उपलब्ध कराने की योजना है। धुरियापार में केयान ग्रुप करीब 8000 करोड़ का निवेश कर रही है। वहीं, इस कतार में अडाणी ग्रुप, श्रीसीमेंट भी शामिल हैं। अब इसमें अवाडा ग्रुप का भी नाम जुड़ गया है। अडाणी समूह को भी धुरियापार में भूमि उपलब्ध कराई जाएगी। अडाणी समूह ने सीमेंट फैक्ट्री के लिए 60 से 70 एकड़ जमीन की मांग की है। इसके अलावा श्रीसीमेंट ने भी सीमेंट फैक्ट्री स्थापित करने के लिए 75 एकड़ भूमि की मांग की है। श्रीसीमेंट ने नई यूनिट स्थापित करने के लिए 200 करोड़ रुपये के निवेश का प्रस्ताव दिया है। अडाणी समूह की फैक्ट्री से लगभग 1000 प्रत्यक्ष और 2000 अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर पैदा होंगे। श्री सीमेंट्स से भी लगभग 500 प्रत्यक्ष और 1000 अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर मिलेंगे।